किशोरी इतना तो कीज्यो ...

किशोरी इतना तो कीज्यो, लाडली इतना तो कीज्यो
जग जंजाल छुड़ाय, वास बरसाने को दीज्यो ।।

भोर होय महलन में थारै, सेवा के मिस जाऊँ
मंगला के नित दरसन पाऊँ, जीवन सफल बनाउँ
किशोरी मोहे सेवा में लीज्यो ... ।।1।।

पड़ी रहूँ मैं द्वारा तिहारे, रसिकन दरसन पाऊँ
भगतन की पग धूरि मिले, तो अपने सीस चढ़ाऊँ
किशोरी मोहे द्वारे रख लीज्यो ... ।।2।।

भूख लगै तो बृज बासिन पै, टूक मांग के खाऊँ
कबहुँ प्रसादी श्रीमहलन की, कृपा होय तो पाऊँ
किशोरी मोरी विनय मान लीज्यो ... ।।3।।

राधे राधे रटूँ निरन्तर, तेरे ही गुण गाऊँ
तेरे ही गुण गाय गाय मैं, तेरी ही है जाऊँ
किशोरी मोहे अपनी कर लीज्यो ... ।।4।।

http://www.govindbhargav.in